रिपोर्ट

3 जुलाई 2023 से 7 जुलाई 2023 तक एच०आर०डी०सी , डी०पी०एस सोसाइटी द्वारा हिंदी साहित्य व व्याकरण के विविध आयामों पर ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

जिनके विषय इस प्रकार थे- हिंदी साहित्य की चुनिंदा कहानियाँ, काव्य खंड पठन और पाठन, हिंदी व्याकरण सिद्धांत और व्यवहार, अभिव्यक्ति कौशल का विकास: चुनौतियाँ और संभावनाएँ और रचनात्मक लेखन। दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुड़गाँव से मीरा खुराना, विनोद कुमार, किरण सोनी, शशि मिश्रा और नीलम शर्मा ने इन ऑनलाइन कार्यशालाओं में भाग लिया।

3 जुलाई 2023 की कार्यशाला में हिंदी साहित्य की चुनिंदा कहानियों पर प्रकाश डाला गया| मुख्य प्रवक्ता डॉ. गरिमा श्रीवास्तव ने बखूबी बहुत- सी कहानियों पर विस्तार से चर्चा की व उन्हें रोचकता पूर्ण प्रस्तुत करने का संदेश दिया। डॉक्टर गरिमा ने बताया कि आज की पीढ़ी को हिंदी के प्रति आकर्षित करने का कार्यभार हिंदी शिक्षकों पर है और उन्हें इस कार्यभार को संभालने की भूमिका निभाने के साथ-साथ छात्रों को नैतिक मूल्य भी देने हैं |

4 जुलाई 2023 की कार्यशाला में प्रो. अमिता तिवारी ने बताया कि किसी भी पद्य को पढ़ाने से पहले उससे संबंधित हिंदी साहित्य के काल को अवश्य बताना चाहिए। कविता की सांस्कृतिक एवं सामाजिक बोध की भी चर्चा होनी चाहिए। कविता में निहित कथाओं को बताकर शिक्षक छात्रों में रुचि पैदा कर सकते हैं। हर छात्र को कक्षा में बोलने का अवसर देकर प्रोत्साहित करना चाहिए ।

5 जुलाई 2023 मुख्य प्रवक्ता डॉ. निशा नाग ने व्याकरण के चारों भागों - वर्ण-विचार, शब्द-विचार ,पद और वाक्य पर विस्तार से चर्चा की । डॉ. निशा नाग ने बताया कि व्याकरण और व्यवहार में एक्य नहीं है । व्याकरण से हम नियम जान सकते हैं।व्याकरण सिद्धांत देता है लेकिन इसमें भी अपवाद हो सकते हैं। पहले भाषा आई बाद में व्याकरण। उन्होंने कक्षा दसवीं तक के पाठ्यक्रम की सभी व्याकरणिक इकाइयों का विस्तार से वर्णन किया।

6 जुलाई 2023 मुख्य प्रवक्ता डॉ. प्रीति प्रजापति ने बताया कि व्यक्तित्व के विकास में अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण हिस्सा है । छात्रों में जितनी अच्छी भाषा होगी, व्यक्तित्व भी उतना ही प्रभावशाली होगा। छात्रों व अभिभावकों में भाषा को गंभीर रूप से लेने का दृष्टिकोण बदलना है । सुविचार व शिक्षाप्रद दोहों द्वारा कक्षा का आरंभ करें । छात्रों को

एनबीटी, तूलिका बालभारती जैसे अच्छे-अच्छे प्रकाशकों की भी कहानियों को पढ़ने के लिए प्रेरित करें तथा हिंदी समाचार-पत्र के संपादकीय पृष्ठ द्वारा पठन क्षमता को विकसित करने का प्रयास करें। एक विधा को दूसरी विधा में परिवर्तित करके जैसे- कहानी का नाट्य रूपांतरण, निबंध का संवाद लेखन, अंत्याक्षरी आदि गतिविधियाँ करवाकर विषय को रुचिकर बना सकते हैं।

7 जुलाई 2023 की कार्यशाला प्रोफेसर वीरेंद्र अग्रवाल भारद्वाज ने ली । उनका मानना था कि अंग्रेज़ी के शब्दों का कभी-कभी प्रयोग विषय को सरल और सहज बनाता है। भारी- भारी शब्दों का प्रयोग कर तनाव में आकर हम रचनात्मकता नहीं कर सकते। जीवन के सभी क्षेत्रों में रचनात्मकता है, जैसे- शब्दों में, रेखाओं में, अनुभूति में ,वेशभूषा में, यही रचनात्मकता लेखन में भी जरूरी है। रचनात्मकता आत्म अभिव्यक्ति है। रचनात्मकता के विषय में अनेक उदाहरण देते हुए श्री वीरेंद्र भारद्वाज जी ने मिर्जा ग़ालिब और जोंक की शायरी के अनेक उदाहरण दिए। निराला जी और महादेवी वर्मा की मार्मिक रचनाओं पर हमारी संवेदनाएँ जाग जाती है, ठीक इसी तरह हमें रचनात्मक विषयों पर चर्चा कर कर बच्चों की संवेदनाओ को जगाना चाहिए।

इन सभी कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य हिंदी साहित्य व व्याकरण की अभिव्यक्ति के विविध आयामों पर चर्चा करना था। सभी वक्ताओं ने अपने-अपने विषयों पर बखूबी प्रकाश डाला व सरल और सहज भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने की बात कही। उच्चारण, रचनात्मक लेखन, और छात्रों में अभिव्यक्ति कौशल के विकास के लिए जानकारी दी। अनेक गतिविधियों पर जैसे समाचार पत्र पढ़ना, शिक्षाप्रद दोहे पढ़ना व सुविचार आत्मसात करने पर ज़ोर दिया गया। व्याकरण सिद्धांतों पर भी गंभीर रूप से चर्चा की गई। कक्षा दसवीं के पाठ्यक्रम की सभी व्याकरणिक इकाइयों का विस्तार से वर्णन किया गया। इन सभी कार्यशालाओं द्वारा शिक्षकों के ज्ञान में वृद्धि हुई और उन्हें एक नया अनुभव मिला।